सुशील कुमार , स्नातकोत्तर हिंदी शिक्षक की उपलब्धियां :-

- केंद्रीय विद्यालय संगठन सम्भागीय प्रोत्साहन पुरस्कार 2015 .
- केंद्रीय विद्यालय मास्को में अब तक का हिंदी भषा में सर्वाधिक अंक रिकोर्ड और उत्तम गुणवत्ता सम्मान 2018
- रूस मे माननीय भारतीय राजदूत श्री डी.बी वेंकटेश वर्मा द्वारा रामलीला संचालन एवं हिंदी सेवा हेतु " भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी अंतरराष्ट्रीय हिंदी सृजन सम्मान" 2019.
- मास्को (रूस) में तीन बडे नाटक वो मेरा घर, लौट आओ बापू और भगत सिंह नहीं मरेगा मंचन के लिए विश्व हिंदी दिवस पर विशेष समानित
- अंतराष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में लेखन ।
- मास्को में पांच बार हिंदी पत्रिका "दिशा" का सम्पादन कार्य ।
- रूस के विश्वविद्यालयों में हिंदी साहित्य गोष्ठियों का आयोजन ।
- रूसी भारतीय मैत्री संघ दिशा एवं इंटर्नेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर लैंग्वेज कॉर्डिर्नेशन द्वारा विदेश में भाषा और संस्कृति विकास हेतु सम्मानित ।2019
- भारतीय भाषा प्रतिष्ठान राष्ट्रीय परिषद मुम्बई एवं सत्य साई सेवा समिति करनालद्वारा सन्युक्त रुप से सम्मानित ।2015
- साहित्य प्रभा शोध संस्थान देहरादून के कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा साहित्य प्रभा सरस्वती रत्न सम्मान ।2014
- पं. तिलकराज शर्मा मैमोरियल अमेरिका द्वारा "सृजन हिंदी सेवा पदक 2019
- राष्ट्र भाषा सम्मेलन पटियाला द्वारा साहित्य सृजन सम्मान 2013
- साहित्य 24 द्वारा उत्तम शिक्षक सम्मान 2021
- नगर राजभाषा कार्यांवयन समिति पटियाला द्वारा विशेष सम्मान 2014.
- विश्व हिंदी सम्मेलन मॉरिशस से हिंदी सम्मान 2019
- नेहरू युवा केंद्र पटियाला द्वारा विशेष सम्मान 2016
- अभिव्यक्ति साहित्यिक संस्था बालघाट द्वारा चम्बा में हिंदी गौरव सम्मान 2012
- आंचलिक शिक्षा प्रशिक्षण संस्था चंडीगढ में आयोजित कवि सम्मेलन में उपायुक्त श्री एम एस चौहान एवं श्री जे एम रावत द्वारा सम्मानित 2017
- हिंदू वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2021
- हिंदी अकादमी मुम्बई द्वारा साहित्यकार गौरव सम्मान 2020
- गर्वमेंट डिग्री कॉलेज मट्टन,काश्मीर से विशिष्ट वक्ता सम्मान 2022

- हिमांचल कला, संस्कृति और भाषा विभाग की ओर से शिमला में आयोजित कार्यक्रम में "चाण्क्य सम्मान" 2022
- पूर्वाशा हिंदी अकादमी में साहित्य समीक्षक के रूप में सम्मानित ।
- प्रकाशित एवं प्रकाशाधीन पुस्तकें :
  रतिया से रशिया : मेरा सफरनामा
  पिघलते हुए दिन
  समाज तो विकलांग था (काव्य संग्रह)
  जिस कुल मा मेरौ जन्म होयो (वंश इतिहास)